NEWS CLIPPING: 26.05.2019

DAINIK JAGRAN

नैक से मिली इंजीनियरिंग के तीन पाठ्यक्रमों को मान्यता

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के तीन पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड(एनबीए) ने मान्यता प्राप्त की है। कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों को बधाई दी है। हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, सीएम मनोहर लाल व शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा का आभार प्रकट किया, जिनके सहयोग से यह उपलब्धि हासिल हुई। नैक मान्यता मिलने से विवि से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित कई देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी। विवि के दो बीटेक पाठ्यक्रमों को तीन वर्ष तथा एक एमटेक पाठ्यक्रम दो वर्ष के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में बीटेक तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमटेक शामिल हैं। इससे पहले विवि के चार बीटेक पाठयक्रमों कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक तथा मास्टर्स ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन को जनवरी 2018 में एनबीए मान्यता प्राप्त हुई थी।

NEWS CLIPPING: 26.05.2019

HINDUSTAN

तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आने की संभावना बढ़ी, छात्रों को विदेश में पढ़ाई करने वाले पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी

इंजीनियरिंग के तीन पाठ्यक्रम को एनबीए की मान्यता मिली

अच्छी खबर

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए में इंजीनियरिंग के तीन पाठ्यक्रम को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता मिल गई है। इससे तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आने की संभावना है। इससे तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में विश्व स्तरीय संस्थान के रूप में पहचान मिलेगा।

विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होने वाले इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद वह अमेरिका, इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों में अपनी पहचान बना सकेंगे। यहां से पढ़ाई करने वाले छात्रों को विदेश में पढ़ाई करने वाले पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी।

विश्वविद्यालय के बीटेक के दो पाठ्यक्रम को तीन वर्ष तथा एमटेक पाठ्यक्रम के दो वर्ष के लिए एनबीए की ओर से श्रेणी-एक के प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। जिन पाठ्यक्रमों को मान्यता प्राप्त हुई है, उनमें इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग और इंफोरमेशन टेक्नोलॉजी में बीटेक तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमटेक शामिल है।

इससे पहले कम्प्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक तथा मास्टर्स ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन के लिए जनवरी 2018 में एनबीए मान्यता प्राप्त हो चुकी है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के लगभग सभी प्रमुख इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों को एनबीए से मान्यता प्राप्त हो गई है। मालूम हो कि एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है जो तकनीकी संस्थानों और पाठ्यक्रमों का मूल्यांकन अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् की ओर से अनुशंसित मानक तथा मानदंडों के अनुरूप करता है।

मान्यता प्रकिया के तहत एनबीए की विशेष टीम 26 से 28 अप्रैल तक विश्वविद्यालय के चार विभागों का मूल्यांकन किया गया था। इस दौरान विश्वविद्यालय के लैब, वर्कशॉप, पुस्तकालय तथा अन्य विद्यार्थी से संबंधित सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान टीम ने संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, भूतपूर्व विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा वरिष्ठ पदाधिकारियों से संपर्क भी किया गया था। इसके साथ ही विश्वविद्यालय का रिकार्ड जांच किया गया था। जांच में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् पर खरा उतरने पर विश्वविद्यालय को यह मान्यता दी गई थी।

विश्वविद्यालय कई उपलब्धि हासिल कर चुका

मालूम हो कि वर्ष 2009 में विश्वविद्यालय के रूप में दर्जा हासिल किया गया था। पिछले तीन वर्षों में विभिन्न उपलब्धियां हासिल कर चुका है। विश्वविद्यालय के एक वरिष्ठ प्रोफेसर का कहना है कि नवंबर 2016 में राष्ट्रीय मूल्यांकन तथा प्रत्यायन परिषद् (नैक) की ओर से ग्रेड मिला था। इसके बाद इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ-2019) की ओर से 144 वीं रैंकिंग मिला था। वहीं, राज्य सरकार की ओर से संचालित पहला इंजीरियरिंग संस्थान है, जो देश के शीर्ष 150 इंजीनियरिंग संस्थानों में शामिल हुआ है।

विश्वविद्यालय के लगभग सभी छात्रों को एनबीए में शामिल कर लिया गया है। इंजीनियरिंग की यहां पढ़ाई करने के बाद वह अमेरिका, इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों में अपनी पहचान बना सकेंगे।
-विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो.दिनेश कुमार

NEWS CLIPPING: 26.05.2019

DANIK BHASKAR

जेसी बोस यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग के 3 और पाठ्यक्रमों को मिली मान्यता

एनबीए की मान्यता मिलना यूनिवर्सिटी की तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता दर्शाता है

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तीन और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) की मान्यता मिल गई है। एनबीए की मान्यता मिलना यूनिवर्सिटी द्वारा प्रदान की जाने वाली तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता को दर्शाता है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार के अनुसार यहां के विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित विभिन्न देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी। विश्वविद्यालय के बीटेक के दो पाठयक्रमों को तीन वर्ष तथा एमटेक के एक पाठ्यक्रम को दो वर्ष के लिए एनबीए ने द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। जिन पाठ्यक्रमों को मान्यता प्राप्त हुई है, उनमें इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और इंफार्मेशन टेक्नालॉजी में बीटेक तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमटेक शामिल है। इससे पूर्व विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठयक्रम कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में बीटेक तथा मास्टर्स आफ कंप्यूटर एप्लीकेशन को जनवरी 2018 में एनबीए की मान्यता मिली थी। कुलपति के अनुसार विश्वविद्यालय के लगभग सभी प्रमुख इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को एनबीए की मान्यता प्राप्त हो गई है। यह मान्यता वाशिंगटन समझौते के अनुरूप है। इसमें एनबीए भी एक हस्ताक्षरकर्ता है।

वाशिंगटन समझौते की अनुपालना के अनुरूप वाईएमसीए विश्वविद्यालय के एनबीए श्रेणी-1 मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों को अन्य हस्ताक्षरकर्ता देशों में वैश्विक मान्यता हासिल होगी। इसमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, ताइवान, हांगकांग, आयरलैंड, जापान, इंग्लैंड तथा अमेरिका शामिल हैं। यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट इन देशों में अकादमिक जरूरतों को पूरा करने के दृष्टिगत इंजीनियरिंग कार्यों को करने में सक्षम होंगे। एनबीए एक स्वायत्त संस्थान है।

NEWS CLIPPING: 26.05.2019

PUNJAB KESARI

नैक से तीन पाठ्यक्रमों को मिली मान्यता

फरीदाबाद, 25 मई (ब्यूरो): जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग के तीन पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड(एनबीए) ने मान्यता प्राप्त की है। इस उपलब्धि के लिए कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने सभी शिक्षकों तथा कर्मचारियों को बधाई दी है। हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य, मुख्यमंत्री मनोहर लाल और शिक्षा मंत्री राम बिलास शर्मा का आभार प्रकट किया, जिनके सहयोग से तकनीकी शिक्षा में उच्च मानदंड स्थापित कर विश्वविद्यालय को यह उपलब्धि हासिल हुई। नैक मान्यता मिलने से विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण स्नातकों को अमेरिका तथा इंग्लैंड सहित कई देशों के पाठ्यक्रमों के समकक्ष समानता मिलेगी। विश्वविद्यालय के दो बीटेक पाठ्यक्रमों को तीन वर्ष तथा एक एमटेक पाठ्यक्रम दो वर्ष के लिए एनबीए द्वारा श्रेणी-1 प्रारूप में मान्यता प्राप्त हुई है। इनमें इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग और इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी में बीटेक तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में एमटेक शामिल हैं। इससे पहले विश्वविद्यालय के चार बीटेक पाठयक्रमों कंप्यूटर इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंस्ट्रूमेंटल एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग में बी.टेक तथा मास्टर्स ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन को जनवरी 2018 में एनबीए मान्यता प्राप्त हुई थी।

यूनिवर्सिटी ने मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री का किया आभार प्रकट

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sun, 26 May 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c